छत्तीसगढ़ पीसीएस प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा का पाठ्यक्रम

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा

प्रश्न पत्र 1 सामान्य अध्ययन

भाग 01

सामान्य अध्ययन

- भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन
- भारत का भौतिक, सामाजिक और आर्थिक भूगोल
- भारत का संविधान और राजनीति
- भारतीय अर्थव्यवस्था
- सामान्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- भारतीय दर्शन, कला, साहित्य और संस्कृति
- करेंट अफेयर्स और खेल
- पर्यावरण

भाग 02

छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान

- छत्तीसगढ़ का इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़ का योगदान।
- भूगोल, जलवायु, भौतिक स्थिति, जनगणना, पुरातत्व और छत्तीसगढ़ के पर्यटन केंद्र।
- साहित्य, संगीत, नृत्य, कला और संस्कृति, मुहावरे और कहावतें, पहेली(जनऊला), छत्तीसगढ़ का गायन (हाना)।
- छत्तीसगढ़ की जनजातियाँ, विशेष परंपराएँ, तीज और त्यौहार।
- छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था, वन और कृषि।
- प्रशासनिक संरचना, स्थानीय सरकार और छत्तीसगढ़ की पंचायती राज व्यवस्था।
- छत्तीसगढ़ में उद्योग, छत्तीसगढ़ के ऊर्जा, जल और खनिज संसाधन।
- छत्तीसगढ़ के करेंट अफेयर्स।

सामान्य अभिरुचि परीक्षण

- बोधगम्यता
- संचार कौशल सहित अंतर- वैयक्तिक कौशल
- तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता
- निर्णय लेना एवं समस्या समाधान
- सामान्य मानसिक योग्यता
- आधारभूत संख्ययन (संख्याएँ एवं उनके संबंध , विस्तार क्रम आदि- दसवीं कक्षा का स्तर) आँकडों का निर्वचन (चार्ट , ग्राफ तालिका , आँकडों की पर्याप्तता आदि- दसवीं कक्षा : स्तर)
- हिन्दी भाषा में बोधगम्यता कौशल (दसवीं कक्षा का स्तर)
- छत्तीसगढ़ी भाषा का ज्ञान

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा

प्रश्न पत्र - 1 भाषा

(अंक 200, अवधि 3 घंटे)

भाग 01–सामान्य हिंदी

- भाषा बोध,
- संक्षिप्त लेखन,
- पर्यायवाची विलोम शब्द,
- समोच्चरित शब्दो के अर्थ भेद,
- वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द,
- संधि एवं संधि विच्छेद,
- समासिक पद रचना एवं समास विग्रह,
- तत्सम एवं तद्भव शब्द,
- शब्द शुद्धि,
- वाक्य शुद्धि
- उपसर्ग एवं प्रत्यय
- मुहावरे एवं लोकोक्तियां (अर्थ एवं प्रयोग)
- पत्र लेखन
- हिंदी साहित्य के इतिहास
- इतिहास के काल विभाजन एवं नामकरण
- छत्तीसगढ़ के साहित्यकार एवं उनकी रचनाएं
- अपठित गद्यांश
- शब्द युग्म
- प्रारूप लेखन
- विज्ञापन
- प्रपत्र
- परिपत्र
- पृष्ठांकन
- अधिसूचना
- टिप्पणी लेखन
- शासकीय अर्धशासकीय पत्र
- प्रतिवेदन
- पत्रकारिता
- अनुवाद (हिंदी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिंदी)

भाग 02–सामान्य अंग्रेजी

- Comprehension
- Precis Writing
- Re-arrangement and Correction of Sentences
- Synonyms
- Antonyms
- Filling the Blanks
- Correction of Spellings
- Vocabulary and usage
- Idioms and Phrases
- Tenses
- Prepositions
- Active Voice and Passive voice
- Parts of Speech

भाग 03-छत्तीसगढ़ी भाषा

- छत्तीसगढ़ भाषा का ज्ञान
- छत्तीसगढ़ भाषा का इतिहास
- वाक्य की बनावट
- व्याकरण

प्रश्न पत्र – 2 निबंध

(अंक 200, अवधि 3 घंटे)

भाग 01: अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मुद्दे

उम्मीदवारों को इस भाग में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मुद्दों (कारण, वर्तमान स्थिति, डेटा और समाधान सहित) पर दो निबंध लिखने होंगे। इस भाग में उम्मीदवार को 4 प्रश्न दिये जिनमें से किन्हीं 2 विषयों पर उसे लगभग 750 शब्दों में दो निबंध लिखने होंगे। इस भाग के प्रत्येक निबंध हेतु 50 अंक होंगे।

भाग II: छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित मुद्दे:

उम्मीदवारों को इस भाग में छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित मुद्दों (कारण, वर्तमान स्थिति, डेटा और समाधान सहित) पर दो निबंध लिखने होंगे। इस भाग में उम्मीदवार को 4 प्रश्न दिये जाएँगे जिनमें से किन्हीं 2 विषयों पर उसे लगभग 750 शब्दों में दो निबंध लिखने होंगे। इस भाग के प्रत्येक निबंध हेतु 50 अंक होंगे।

प्रश्न पत्र – 3 इतिहास, संवधिान और लोक प्रशासन

(अंक 200, अवधि 3 घंटे)

भाग 01–भारत का इतिहास

- प्रागैतिहासिक काल
- सिंधु सभ्यता
- वैदिक सभ्यता
- जैन धर्म तथा बौद्ध धर्म
- मगध साम्राज्य का उदय
- मौर्य राज्य तथा अर्थव्यवस्था
- गुप्त साम्राज्य
- गुप्त- वाकाटक काल में कला
- स्थापत्य, साहित्य तथा विज्ञान का विकास
- दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश
- मध्यकालीन इतिहास
- सल्तनत एवं मुगल काल
- विजयनगर राज्य
- भक्ति आंदोलन
- सूफीवाद
- क्षेत्रीय भाषाओं में साहित्य का विकास
- मराठों का अभ्युदय
- यूरोपियों का आगमन तथा ब्रिटिश सर्वोच्चता स्थापित होने के कारक
- ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार- युद्ध एवं कूटनीति
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था- कृषि,
- भू राजस्व व्यवस्था-स्थाई बंदोबस्त, रैयतवाड़ी, महालवाड़ी
- हस्तशिल्प उद्योग का पतन
- ईस्ट इंडिया कंपनी के रियासतों के साथ संबंध
- प्रशासनिक संरचना में परिवर्तन
- भू-राजस्व प्रणाली - स्थायी बंदोबस्त, रैयतवारी, महलवारी, हस्तशिल्प का पतन, राज्यों के साथ ईस्ट इंडिया कंपनी का संबंध, प्रशासनिक संरचना में परिवर्तन, 1858 के बाद शहरी अर्थव्यवस्था, रेलवे का विकास, औद्योगीकरण
- सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन- ब्रह्म समाज, आर्य समाज, प्रार्थना समाज, रामकृष्ण मिशन,
- राष्ट्रवाद का उदय
- 1857 की क्रांति
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना
- बंगाल का विभाजन और स्वदेशी आंदोलन
- होमरूल आंदोलन
- गाँधीवादी आंदोलन
- भारत छोड़ो आंदोलन
- मजदूर किसान एवं आदिवासी आंदोलन
- दलितों में सुधार आंदोलन
- मुस्लिमों में सुधार आंदोलन
- अलीगढ़ आंदोलन

- आजाद हिंद फौज
- स्वतंत्रता और भारत का विभाजन
- रियासतों का विलीनीकरण।

भाग-2 संविधान एवं लोक प्रशासन:

- भारत का संवैधानिक विकास (वर्ष 1773-1950)
- संविधान का निर्माण एवं मूल विशेषताएँ- प्रस्तावना, संविधान की प्रकृति, मूलभूत अधिकार और कर्त्तव्य
- संघ की कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका।
- संवैधानिक उपचार का अधिकार, जनहित याचिका, न्यायिक सक्रियता, न्यायिक समीक्षा।
- महान्यायवादी।
- राज्य कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका, महाधिवक्ता।
- केंद्र-राज्य संबंध- विधायी, कार्यकारी और वित्तीय।
- अखिल भारतीय सेवाएँ, संघ और राज्य लोक सेवा आयोग।
- आपातकालीन प्रावधान, संवैधानिक संशोधन।
- आधारभूत ढाँचेकी अवधारणा।
- छत्तीसगढ़ राज्य - विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका।
- लोक प्रशासन- अर्थ, कार्यक्षेत्र, प्रकृति और महत्त्व।
- उदारीकरण के तहत लोक प्रशासन और निजी प्रशासन।
- आधुनिक लोक प्रशासन, विकास प्रशासन और तुलनात्मक प्रशासन।
- लोक प्रशासन में नए आयाम।
- राज्य बनाम बाज़ार।
- कानून का शासन।
- संगठन- सिद्धांत, दृष्टिकोण और संरचना। प्रबंधन- नेतृत्त्व, नीति निर्धारण, निर्णय लेना।
- प्रशासनिक प्रबंधन के उपकरण- समन्वय, प्रतिनिधिमंडल, संचार, अवलोकन और प्रेरणा।
- प्रशासनिक सुधार।
- सुशासन, ई-शासन।
- नौकरशाही।
- जिला प्रशासन।
- भारत में प्रशासन पर नियंत्रण - संसदीय, वित्तीय न्यायिक और कार्यपालिका।
- लोकपाल और लोकायुक्त।
- सूचना का अधिकार।
- पंचायतें और नगर पालिकाएं।
- संसद-राष्ट्रपति, एकात्मक-संघीय सरकार।
- शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत। छत्तीसगढ़ की प्रशासनिक संरचना।

भाग-3 छत्तीसगढ़ का इतिहास:

- छत्तीसगढ़ का इतिहास- वैदिक युग से गुप्त काल तक
- प्रमुख राजवंश राजर्षि तुल्य कुल, नल, पांडू, सोमवंशी इत्यादि।
- कलचुरी एवं उनका प्रशासन
- मराठों के अधीन छत्तीसगढ़
- ब्रिटिश संरक्षण में छत्तीसगढ़
- छत्तीसगढ़ की पूर्व रियासतों एवं ज़मींदारी
- सामंती राज
- 1857 की क्रांति
- छत्तीसगढ़ में स्वतंत्रता आंदोलन
- श्रमिक, कृषक एवं जनजातीय आंदोलन
- छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण।

प्रश्न पत्र – 4 विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण

(अंक 200, अवधि 3 घंटे)

भाग-1: सामान्य विज्ञान

रसायन विज्ञान:

- रासायनकि अभकि्रिया की दर एवं रासायनकि साम्य–रासायनकि अभकि्रिया की दर का प्रारंभकि ज्ञान, तीव्र एवं मंद रासायनकि अभकि्रियाएँ।
- धातुएँ– आवर्त सारणी में धातुओं की स्थति एिवं सामान्य गुण, धातु, खनजि अयस्क, खनजि एवं अयस्क में अंतर।
- अम्ल और क्षार।
- पीएच स्केल [सरल संख्यात्मक प्रश्न)।
- एक्ज़ोथर्मकि और एंडोथर्मकि प्रतकि्रियाएँ।
- कुछ महत्त्वपूर्ण रासायनकि यौगकि - गुण और उपयोग। उत्पादन की वधि [पानी, वाशगि सोडा, बेकगि सोडा, ब्लीचगि पाउडर और प्लास्टर ऑफ पेरसि]।
- नर्माण सामग्री-चूना सीमेंट कांच और स्टील नर्माण।
- धातु - आवर्त सारणी में धातुओं की स्थति और सामान्य गुण।
- खनजि अयस्क, खनजि और अयस्क के बीच अंतर।
- धातुकर्म-गलाना, अयस्कों का शोधन।
- तांबे और लोहे की धातु वज्ञिान।
- धातुओं का क्षरण।
- मश्रि धातु।
- अधातु - आवर्त सारणी में अधातुओं की स्थति।
- हाइड्रोजन, ऑक्सीजन और नाइट्रोजन के भौतकि गुण और उपयोग।
- कुछ महत्त्वपूर्ण कार्बनकि यौगकि - अल्कोहल और एसटिकि एसडि तैयार करने की प्रयोगशाला वधि, गुण और कुछ सामान्य कृत्रमि पॉलमिर, पॉलथिीन, पॉलीवनिाइल क्लोराइड का उपयोग करता है।
- टेफ्लॉन साबुन और डटिर्जेंट।

भौतकि वज्ञिान:

- ऊर्जा के स्रोत - ऊर्जा के पारंपरकि और नए स्रोत, सौर ऊर्जा के स्रोत, सूर्य में ऊर्जा की उत्पत्त कि कारण, सौर ताप उपकरण, सौलर कूकर, सौर सेल, पवन ऊर्जा, बायोगैस, जीवाश्म ईंधन, आदर्श ईंधन और इसके गुण।
- परमाणु ऊर्जा, परमाणु वखिंडन, संलयन, शृंखला प्रतकि्रिया, परमाणु रएिक्टर, परमाणु ऊर्जा का उपयोग और नुकसान।
- क्रेडा (CREDA) के बारे में सामान्य जानकारी। प्रकाश - प्रकाश के परावर्तन की प्रकृत, परावर्तन के नयिम, समतल एवं वक्रता से परावर्तन, समतल, उत्तल एवं अवतल दर्पण द्वारा प्रतबिंबि रचना, फोकस दूरी तथा वक्रता त्रज्यिा में संबंध
- यू-वी-एफ संख्यात्मक उदाहरणों के बीच संबंध; प्रकाश का अपवर्तन - अपवर्तन के नयिम, कांच के स्लैब द्वारा अपवर्तन, क्रांतकि कोण, पूर्ण आंतरकि परावर्तन, दैनकि जीवन में पूर्ण आंतरकि परावर्तन का उपयोग।
- लेंस (अभसिारी और अपसारी लेंस)।
- लेंस द्वारा स्पष्ट फोकल लंबाई ऑप्टकिल केंद्र छव नर्माण।
- मनुष्य की आँख, उसके दोष और उपाय।
- फोटोग्राफकि कैमरा और मानव आँख के बीच तुलना।
- सरल दूरबीन और खगोलीय दूरबीन।
- नर्माण कार्य, उपयोग, करिण आरेख [कोई सूत्र व्युत्पत्त नहीं]।
- बजिली और उसके प्रभाव - वद्यिुत तीव्रता, क्षमता, संभावति अंतर, वद्यिुत प्रवाह ओम का नयिम।
- प्रतरिोध, वशिष्टि प्रतरिोध, प्रभावति करने वाले कारक, प्रतरिोधों का संयोजन एवं इसके आंककि प्रश्न, वद्यिुत धारा का ऊष्मीय प्रभाव, इसकी उपयोगता, शक्त एिवं वद्यिुत ऊर्जा व्यय की गणना (आंककि) वद्यिुत प्रयोग में रखी जाने वाली सावधानयिाँ, प्रकाश वद्यिुत प्रभाव, सोलर सेल, संरचना, P-N संध, डायोड।
- वद्यिुत प्रवाह के रासायनकि प्रभाव।
- प्राथमकि और द्वतिीयक सेल तथा उनके गुण और दोष।
- लेक्लेंच सेल, ड्राई सेल, लेड संचायक सेल नर्माण।
- करंट का चुंबकीय प्रभाव - करंट का चुंबकीय प्रभाव, ओरस्टेड प्रयोग, इलेक्ट्रोमैग्नेटकि इंडक्शन, इलेक्ट्रकि मोटर, काम करने का सद्धिांत और जनरेटर का उपयोग, अल्टरनेटगि करंट और डायरेक्ट करंट का सामान्य अध्ययन, गैसों में इलेक्ट्रकि डसि्चार्ज, डसि्चार्ज ट्यूब, कैथोड करिणें, एक्स-रे और उनके गुण।
- चुम्बकत्व - चुम्बक और उसके प्रकार, कृत्रमि चुम्बक, चुम्बक बनाने की वधियिाँ, चुम्बकत्व का आणवकि सद्धिांत, वचिुंबकीकरण, चुम्बकीय रक्षक, बल की चुम्बकीय रेखाएँ और उनके गुण।
- बल की रेखाओं को प्लॉट करना, स्थलीय चुंबकत्व, चुंबकीय तूफान। चुंबकीय मेरडियिन, भौगोलकि मेरडियिन, वीएचआई और θ के बीच संबंध

जीव वज्ञिान

- पशु पोषण - पोषण के प्रकार, स्वपोषी पोषण, वषिमपोषी पोषण, होलोजोइक, परजीवी, मृतोपजीवी, सहजीवी, कीटभक्षी।
- पोषण प्रक्रयिा की महत्त्वपूर्ण शर्तें।
- एककोशकिीय कोशकिा जंतु [अमीबा] और बहुकोशकिीय जंतु टड्डिे में पाचन।
- मानव पाचन तंत्र और पाचन प्रक्रयिा।
- प्रकाश संश्लेषण, प्रक्रयिा के मुख्य चरण।
- प्रकाश संश्लेषण परभिाषा एवं प्रक्रयिा के प्रमुख पद, प्रकाश अभकि्रिया एवं अंधकार अभकि्रिया।
- श्वसन परभिाषा, श्वसन के प्रकार, मनुष्य का श्वसन तंत्र एवं श्वसन प्रक्रयिा।
- परविहन– पौधों में जल एवं खनजि लवण का परविहन, जंतुओं में परविहन रुधरि की संरचना तथा कार्य, रक्त वाहकिाओं की संरचना और कार्य

[प्रारंभिक ज्ञान] रक्त की जमावट, रक्त समूह, रक्त आधान, रक्त बैंक , लसीका प्रणाली का कार्य। हृदय से संबंधित रोग।

- **उत्सर्जन -** पौधों और उत्सर्जन, उत्सर्जित उत्पाद। पशुओं में उत्सर्जन और उनके उत्सर्जन अंग।
- मनुष्य की उत्सर्जन प्रणाली और उत्सर्जन प्रक्रिया [सामान्य जानकारी], कृत्रिम किडनी डायलिसिस।
- ऑस्मोरग्यूलेशन।
- गुर्दे से संबंधित रोग।
- नियंत्रण और समन्वय - पौधों और जानवरों में समन्वय।
- मनुष्य का तंत्रिका तंत्र।
- मानव मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी की संरचना और कार्य, प्रतिवर्त क्रिया, अंतःस्रावी ग्रंथियां हार्मोन और उनके कार्य।
- प्रजनन एवं वृद्धि- प्रजनन के प्रकार, अलैंगिक प्रजनन, विखंडन, मुकुलन एवं पुनरुदभवन, कृतिम वर्धी प्रजनन, वानस्पतिक प्रजनन, लेयरिंग, कटिंग, ग्राफ्टिंग, पार्थेनोजेनेसिस, पौधों में यौन प्रजनन, फूल की संरचना और प्रजनन प्रक्रिया [सामान्य जानकारी] परागण निषेचन।
- मानव प्रजनन प्रणाली और प्रजनन प्रक्रिया।
- आनुवंशिकता और विकास - आनुवंशिकता और भिन्नता। आनुवंशिकता गुणसूत्र और डीएनए [प्रारंभिक जानकारी] जीन का आधार।
- लिंग निर्धारण जैविक विकास का प्रारंभिक ज्ञान [ओपेरिन का सिद्धांत केवल

भाग-2: योग्यता परीक्षण, तार्किक योग्यता एवं बुद्धिमता परीक्षण

- परिमेय संख्याओं का जोड़ना, घटाना,गुणा करना, भाग देना
- परिमेय संख्याओं के बीच परिमेय संख्या ज्ञात करना।
- अनुपात एवं समानुपात- अनुपात एवं समानुपात की परिभाषा, योगानुपात, अंतर अनुपात, व्युत्क्र मानुपात आदि व उनके अनु प्रयोग
- वाणिज्य गणित- बैंकिंग, बचत खाता, सावधि जमा खाता एवं आवर्ती जमा खाता पर ब्याज की गणना।
- आयकर की गणना (केवल वेतन भोगी के लिए तथा गृह भाड़ा भत्ता को छोड़कर)
- गुणनखंड,
- लघुत्तम समापवर्तक एवं महत्तम समापवर्तक
- वैदिक गणित– जोड़ना, घटाना, गुणा, भाग, विजांक से उत्तर की जांच।
- वर्गमूल, वर्ग
- घन, घनमूल
- बीजगणित में वैदिक विधियों का प्रयोग आदि।
- भारतीय गणितिज्ञ एवं उनका कृतित्व- आर्यभट्ट, वराह मिहिर, ब्रह्मगुप्त, भास्कर आचार्य, श्रीनिवास रामानुजन के संदर्भ में।
- गणितीय संक्रियाएं, मूल संख्यात्मक कार्य
- आंकड़ों की व्याख्या- चार्ट, रेखांकन, तालिका, आंकड़ों के पर्याप्तता इत्यादि।
- आंकड़ों का विश्लेषण
- समांतर माध्य एवं माध्यिका
- बहुलक
- प्रायिकता, प्रायिकता के जोड़ पर आधारित प्रश्न
- व्यावहारिक गणित- लाभ हानि प्रतिशित ब्याज एवं औसत।
- समय गति, दूरी, नदी, नाम।
- परीक्षण
- विषम शब्द, शब्दों का विषम जोड़,
- सांकेतिक भाषा परीक्षण, संबंधी परीक्षण, वर्णमाला परीक्षण, शब्दों का तार्किक विश्लेषण, छोटे हुए अंक या शब्द की प्रविष्टि, कथन एवं कारण
- स्थिति प्रतिक्रिया परीक्षण
- आकृति श्रेणी
- तथ्यों का लुप्त होना
- सामान्य मानसिक योग्यता।

भाग 3: एप्लाइड एवं व्यावहारिक विज्ञान

- ग्रामीण भारत में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका
- कंप्यूटर का आधारभूत ज्ञान, संचार एवं प्रसारण में कंप्यूटर
- आर्थिक वृद्धि और टवेयर का विकास, IT के वृहद अनुप्रयोग
- ऊर्जा संसाधन- ऊर्जा की मांग, ऊर्जा का नवीनीकरण और नवीनीकरण, ऊर्जा के स्रोत, नाभिकीय ऊर्जा का देश में विकास एवं उपयोगिता।
- भारत में वर्तमान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास, कृषि का उद्भव, कृषि विज्ञान में प्रगति एवं उसके प्रभाव, भारत में फसल विज्ञान, उर्वरक, कीट नियंत्रण एवं भारत में रोगों का परिदृश्य।
- जैव विविधिता एवं उसका संरक्षण- सामान्य परिचय- परिभाषा, अनुवांशिक प्रजात एवं पारिस्थितिकी तंत्र विविधिता।
- भारत का जैव भौगोलिक वर्गीकरण
- जैव विविधिता का महत्त्व विनाशकारी उपयोग, उत्पादक उपयोग, सामाजिक, नैतिक, वैकल्पिक दृष्टि से महत्त्व।
- भारत एक वृहद विविधिता वाले राष्ट्र के रूप में। जैव विविधिता के हॉट स्पॉट।
- भारत की विलुप्त होती तथा स्थानीय प्रजातियाँ।
- जैव विविधिता का संरक्षण
- पर्यावरण प्रदूषण- कारण प्रभाव एवं नियंत्रण के उपाय- वायु प्रदूषण, जल, समुद्री प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, तापीय प्रदूषण, नाभिकीय

दृष्टि The Vision

प्रदूषण।
- ठोस अपशषिट प्रबंध नगरीय एवं औद्योगकि ठोस कूड़े करकट का प्रबंधन: कारण, प्रभाव एवं नयिंत्रण।
- प्रदूषण के नयिंत्रण में व्यक्त की भूमकि।

प्रश्न पत्र - 05 अर्थशास्त्र और भूगोल

(अंक 200, अवधि 3 घंटे)

भाग 01 - भारत और छत्तीसगढ़ का अर्थशास्त्र

- राष्ट्रीय और प्रति व्यक्ति आय, आर्थिक सुधार, मौद्रिक नीति, साक्षरता और व्यावसायिक संरचना, ग्रामीण विकास, बजट नीति, सहकारी समितियों की संरचना और विकास, बाल श्रम और महिला अधिकारिता।
- **छत्तीसगढ़ के संदर्भ में -**
    - अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग की जनसांख्यिकीय विशेषताएं और सामाजिक पिछड़ापन
    - वर्ग और अल्पसंख्यक।
    - साक्षरता और व्यावसायिक संरचना, आय के क्षेत्रीय वितरण में परिवर्तन और रोज़गार।
    - महिलाओं का सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक सशक्तिकरण। बाल श्रम की समस्या।
    - राज्य की वित्त एवं बजटीय नीति, कर संरचना, केन्द्रीय कर में हिस्सेदारी, राजस्व एवं पूंजी खाता में व्यय संरचना, उसी प्रकार योजना एवं गैर-योजनागत व्यय, सार्वजनिक ऋण की संरचना।
    - आंतरिक एवं विश्व बैंक के ऋण सहित बाह्य ऋण। छत्तीसगढ़ में ग्रामीण साख के संस्थागत एवं गैर-संस्थागत स्त्रोत। सहकारिता की संरचना एवं वृद्धि तथा कुल साख में उनके हिस्से, पर्याप्तता एवं समस्याएं।

भाग 02 – भारत का भूगोल

- भारत की भौतिक विशेषताएं, स्थान और विस्तार, भूवैज्ञानिक संरचना, भौतिक विभाजन, जल निकासी प्रणाली, जलवायु, मिट्टी, वनस्पति और वन की नपुंसकता, भारतीय वन नीति, वन संरक्षण, मानव विशेषताएँ - जनसंख्या, जनगणना, जनसंख्या वृद्धि, घनत्व और वितरण।
- जन्म दर, मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, प्रवासन, साक्षरता, व्यावसायिक संरचना, शहरीकरण।
- कृषि- भारतीय कृषि की विशेषताएं, कृषि खाद्य फसलें, अनाज, दालें, तिलहन और अन्य फसलें, उत्पादन और वितरण, सिंचाई के साधन और इसका महत्त्व, कृषि का आधुनिकीकरण, कृषि और योजना की समस्याएं, सिंचाई बहुउद्देशीय परियोजनाएं, हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, नीली क्रांति।
- खनिज संसाधन- खनिज का भंडारण, उत्पादन और वितरण।
- ऊर्जा संसाधन- कोयला, पेट्रोलियम, थर्मल पावर ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, ऊर्जा के गैर पारंपरिक स्रोत।
- उद्योग- भारत में उद्योगों का विकास और संरचना, बड़े पैमाने के मध्यम, छोटे और छोटे पैमाने के उद्योग, कृषि, वन और खनिज आधारित उद्योग।

भाग 03 - छत्तीसगढ़ का भूगोल

- छत्तीसगढ़ की भौतिक विशेषताएं, स्थान और विस्तार, भूवैज्ञानिक संरचना, भौतिक प्रभाग, जल निकासी प्रणाली, जलवायु, मिट्टी, वनस्पति और वन्य जीवन, वन का महत्त्व, वन्य जीवन प्रबंधन प्रणाली, राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य, राज्य वन नीति, वन संरक्षण।
- मानव विशेषताएँ - जनसंख्या, जनसंख्या वृद्धि, घनत्व और वितरण। मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, प्रवासन, लिंग अनुपात, आयु समूह, अनुसूचित जाति जनसंख्या साक्षरता, व्यावसायिक संरचना, शहरीकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम।
- कृषि- कृषि खाद्य फसलें, अनाज, दलहन, तिलहन और अन्य फसलें, उत्पादन और वितरण, सिंचाई के साधन और इसका महत्त्व, महत्त्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाएं, कृषि की समस्या और किसानों के लिए राज्य योजना।
- **खनिज संसाधन-** छत्तीसगढ़ में विभिन्न प्रकार के खनिज भंडारण, खनिज का उत्पादन एवं वितरण।
- **ऊर्जा संसाधन-** कोयला, ताप विद्युत ऊर्जा, ऊर्जा के गैर पारंपरिक स्रोत।
- **उद्योग-** छत्तीसगढ़ में उद्योगों का विकास और संरचना, बड़े मध्यम, लघु एवं लघुत्तर क्षेत्र। कृषि, वन व खनिज आधारित उद्योग। परिवहन के साधन एवं पर्यटन।

प्रश्न पत्र - 06 दर्शनशास्त्र और समाजशास्त्र

(अंक 200, अवधि 3 घंटे)

भाग-1: दर्शनशास्त्र

- दर्शन का स्वरूप, धर्म एवं संस्कृति से उसका संबंध भारतीय दर्शन एवं पाश्चात्य दर्शन में अंतर,
- वेद एवं उपनिषद्-ब्रह्मा, आत्मा, ऋत, गीता दर्शन-स्थितिप्रज्ञ, स्वधर्म, कर्मयोग, चार्वाक दर्शन-ज्ञानमीमांसा, तत्त्वमीमांसा, सुखवाद, जैन दर्शन-जीव का स्वरूप, अनेकांतवाद, स्यादवाद, पंचमहाव्रत बौद्ध दर्शन-प्रतीत्यसमुत्पाद, अष्टांग मार्ग, अनात्मवाद, क्षणिकवाद, सांख्य दर्शन-सत्कार्यवाद, प्रकृति एवं पुरुष का स्वरूप, विकासवाद
- योग दर्शन-अष्टांग योग, न्याय दर्शन-प्रमा, अप्रमा, असत्कार्यवाद, वैशेषिक दर्शन-परमाणुवाद, मीमांसा दर्शन-धर्म, अपूर्व का सिद्धान्त, अद्वैत वेदान्त-ब्रह्म, माया, जगत, मोक्ष, कौटिल्य-सप्तांग सिद्धान्त, मण्डल सिद्धान्त गुरुनानक

- सामाजकि नैतकि चन्तिन, गुरू घासीदास-सतनाम पथ की वशिषताएं, वल्लभाचार्य-पुष्टमिार्ग, स्वामी ववािकानन्द-व्यावहारकि वेदान्त, सार्वभौम धर्म, श्री अरवनि्द-समग्र योग, अतमिानस, महात्मा गांधी-अहसिा, सत्याग्रह, एकादश व्रत, भीमराव अम्बेडकर-सामाजकि चन्तिन,
- दीनदयाल उपाध्याय-एकात्म मानव दर्शन ,
- प्लेटो-सदगुण, अरस्तू-कारणता सद्धिान्त, संत एन्सेल्म-ईश्वर सद्धिि हेतु सत्तामूलक तर्क, देकार्त-संदेह पद्धत,ि मैं सोचता हूँ, इसलिए मैं हूँ, स्पनिोजा-द्रव्य, सर्वेश्वरवाद, लाइब्नीत्ज-चदिणुवाद, पूर्व स्थापति सामंजस्य का सद्धिान्त लॉक-ज्ञानमीमांसा, बर्कले-सत्ता अनुभवमूलक है, ह्यूम-संदेहवाद, कांट-समीक्षावाद, हेगल-बोध एवं सत्ता, द्वन्द्वात्मक प्रत्ययवाद, ब्रेडले-प्रत्ययवाद, मूर-वस्तुवाद, ए.जे. एयर-सत्यापन सद्धिान्त, जॉन डवी-व्यवहारवाद सार्त्र-अस्तत्विवाद, धर्म का अभप्रिाय, धर्मदर्शन का स्वरूप, धार्मकि सहष्णिुता, पंथ नरिपेक्षता, अशुभ की समस्या,
- नैतकि मूल्य एवं नैतकि दुवधिा, प्रशासन में नैतकि तत्त्व, सत्यनष्ठिा, उत्तरदायत्वि एवं पारदर्शतिा, लोक सेवकों हेतु आचरण संहतिा,
- भ्रष्टाचार-अर्थ, प्रकार, कारण एवं प्रभाव, भ्रष्टाचार दूर करने के उपाय,
- व्हसिलब्लोअर की प्रासंगकिता।

भाग-2: समाजशास्त्र–(50 अंक)

- अर्थ, क्षेत्र एवं प्रकृत,ि अध्ययन का महत्व, अन्य वज्ञिानों से इसका संबंध।
- प्राथमकि अवधारणाएँ-समाज, समुदाय, समति,ि संस्था, सामाजकि समूह, जन रीतयिाँ एवं लोकाचार।
- व्यक्त एिवं समाज-सामाजकि अत: क्रयिाऍं, स्थति एिवं भूमकिा, संस्कृत एिवं व्यक्तत्वि, समाजीकरण।
- हन्दिू सामाजकि संगठन-धर्म, आश्रम, वर्ण, पुरूषार्थ।
- सामाजकि स्तरीकरण-जात एिवं वर्ग। सामाजकि प्रक्रयिाऍं-सामाजकि अत: क्रयिा, सहयोग, संघर्ष, प्रतस्पिर्धा।
- सामाजकि नयिंत्रण एवं सामाजकि परवि्रतन-सामाजकि नयिंत्रण के साधन एवं अभकिरण।
- सामाजकि परवि्रतन की प्रक्रयिाएँ एवं कारक। भारतीय सामाजकि समस्याएँ सामाजकि वघिटन, नयिमहीनता, अलगाव, वषिमता।
- सामाजकि शोध एवं प्रवधियिाँ-सामाजकि अनुसंधान का उद्देश्य, सामाजकि घटनाओं के अध्ययन में वैज्ञानकि पद्धत कि उपयोग, वस्तुनष्ठिता की समस्या, तथ्य संकलन की प्रवधियिां एवं उपकरण-अवलोकन, साक्षात्कार, प्रश्नावली, अनुसूची।

भाग-3: छत्तीसगढ़ का सामाजकि परदृिश्य

- जनजातीय सामाजकि संगठन, ववािह, परवािर, गोत्र, युवा, समूह, जनजातीय वकिास-इतहिास कार्यक्रम व नीतयिां-संवैधानकि व्यवस्था।
- छत्तीसगढ़ की वशिष पछिड़ी जनजातयिाँ, अन्य जनजातयिाँ, अनुसूचति जातयिाँ एवं अन्य पछिड़ा वर्ग की जातयिाँ, छत्तीसगढ़ के जनजातयिों में प्रचलति प्रमुख आभूषण एवं वशिष परंपराएँ, जनजातीय समस्याएँ : पृथक्करण, प्रवासन और परसंस्कृतकिरण।
- छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहत्यि एवं प्रमुख लोक कलाकार, छत्तीसगढ़ी लोकगीत, लोककथा, लोक नाट्य!
- जनऊला मुहावरे, हाना, लोकोक्तयिाँ।
- छत्तीसगढ़ राज्य के साहत्यि, संगीत एवं ललति कला के क्षेत्र में स्थापति संस्थाएँ, उक्त क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्थापति सम्मान एवं पुरस्कार।
- छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृत,ि छत्तीसगढ़ राज्य के प्रमुख मेले तथा पर्व-त्यौहार, राज्य के पुरातात्वकि संरक्षति स्मारक एवं स्थल तथा उत्खनति स्थल, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चन्हिांकति पर्यटन स्थल, राष्ट्रीय उद्यान, अभ्यारण्य और बस्तर के जलप्रताप एवं गुफाएँ, छत्तीसगढ़ के प्रमुख संत।

मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम Paper 07

प्रश्न पत्र - 07 कल्याणकारी, वकिासात्मक कार्यक्रम एवं कानून

(अंक 200, अवध 3ि घंटे)

भाग-1: कल्याणकारी, वकिासात्मक कार्यक्रम एवं कानून

- सामाजकि एवं महत्त्वपूर्ण वधिान– भारतीय समाज, सामाजकि बदलाव के एक साधन के रूप में सामाजकि वधिान, मानव अधकिार संरक्षण अधनियिम् 1993, भारतीय संवधिान एवं आपराधकि वधि (िदण्ड प्रक्रयिा संहति) के अंतर्गत महलिाओं को प्राप्त सुरक्षा (सीआरपीसी),
- घरेलू हसिा से स्त्री का संरक्षण अधनियिम-2005, सवििल अधकिार संरक्षण अधनियिम 1955, अनुसूचति जात औिर अनुसूचति जनजात (िअत्याचार नवािरण) अधनियिम 1989, सूचना का अधकिार अधनियिम 2005,पर्यावरण (संरक्षण) अधनियिम 1986 उपभोक्ता संरक्षण अधनियिम् 1986 सूचना प्रौद्योगकिी अधनियिम 2000, भ्रष्टाचार नवािरण अधनियिम-1988.
- छत्तीसगढ़ के संदर्भ में : छत्तीसगढ़ में प्रचलति वभिन्नि नयिम/अधनियिम एवं उनके छत्तीसगढ़ के नवािसयिों पर कल्याणकारी एवं वकिासात्मक प्रभाव।
- छत्तीसगढ़ शासन की कल्याणकारी योजनाएं: छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समय-समय पर प्रचलति कल्याणकारी, जनोपयोगी एवं महत्त्वपूर्ण योजनायें।

भाग-2: अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय खेल, घटनाएँ एवं संगठन

संयुक्त राष्ट्र एवं उसके सहयोगी संगठन, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, वश्वि बैंक एवं एशयिाई बैंक, सार्क, ब्रक्सि अन्य द्वपिक्षीय एवं क्षेत्रीय समूह, वश्वि व्यापार संगठन एवं भारत पर इसके प्रभाव, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खेल एवं प्रतयिोगतिाएँ।

भाग-3: अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थाएँ एवं मानव विकास में उनका योगदान

कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता, भारत में मानव संसाधन की नियोजिता एवं उत्पादकता, रोज़गार के विभिन्न चलन (ट्रेंडस) मानव संसाधन विकास में विभिन्न संस्थाओं परिषदें, उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cgpsc-syllabus